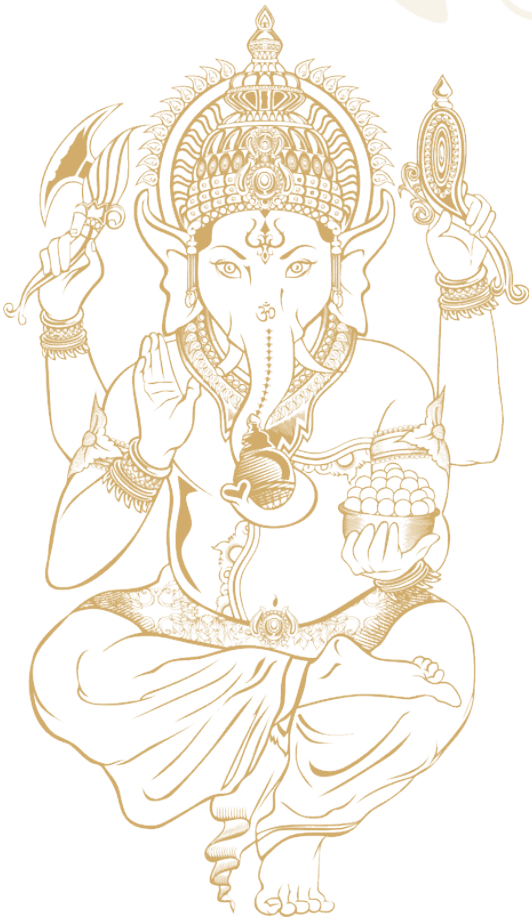

Prateek

Ms.Anchal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120324101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120324101 Date: 26/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/05/1995	जन्म तिथि	19-20/08/1995
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 09:16:00	जन्म समय	04:12:00 घंटे
घटी 09:17:55	जन्म समय(घटी)	55:49:43 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Muzaffarnagar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:28:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:50	सूर्योदय	05:49:08
19:01:58	सूर्यास्त	18:56:11
23:47:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:55

मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
कन्या	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
हस्त	नक्षत्र	रोहिणी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
3	चरण	4
वज्र	योग	हर्षण
बालव	करण	वणिज
ण--	जन्म नामाक्षर	वू-वूली
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
महिष	योनि	सर्प
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	मृग

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 2वर्ष 7मा 16दि		21:13:55	मिथु	लग्न	कर्क	11:06:22	चन्द्र 0वर्ष 7मा 7दि	
गुरु		27:10:47	मेष	सूर्य	सिंह	02:40:27	गुरु	
27/12/2022		19:49:43	कन्या	चंद्र	वृष	22:31:44	27/03/2021	
27/12/2038		00:28:19	सिंह	मंगल	कन्या	24:18:48	27/03/2037	
गुरु	13/02/2025	18:37:00	वृष	बुध	सिंह	22:56:28	गुरु	15/05/2023
शनि	28/08/2027	19:10:52	वृश्चि व	गुरु	वृश्चि	12:10:58	शनि	26/11/2025
बुध	03/12/2029	00:22:15	मेष	शुक्र	सिंह	02:23:01	बुध	03/03/2028
केतु	09/11/2030	28:32:42	कुंभ	शनि व	कुंभ	29:24:27	केतु	07/02/2029
शुक्र	10/07/2033	11:47:08	तुला	राहु व	तुला	04:56:11	शुक्र	09/10/2031
सूर्य	28/04/2034	11:47:08	मेष	केतु व	मेष	04:56:11	सूर्य	27/07/2032
चन्द्र	28/08/2035	06:39:37	मक व	हर्ष व	मक	03:35:34	चन्द्र	26/11/2033
मंगल	03/08/2036	01:42:05	मक व	नेप व	धनु	29:30:51	मंगल	02/11/2034
राहु	27/12/2038	05:40:08	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	04:03:12	राहु	27/03/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:41 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:55

लग्न-चलित

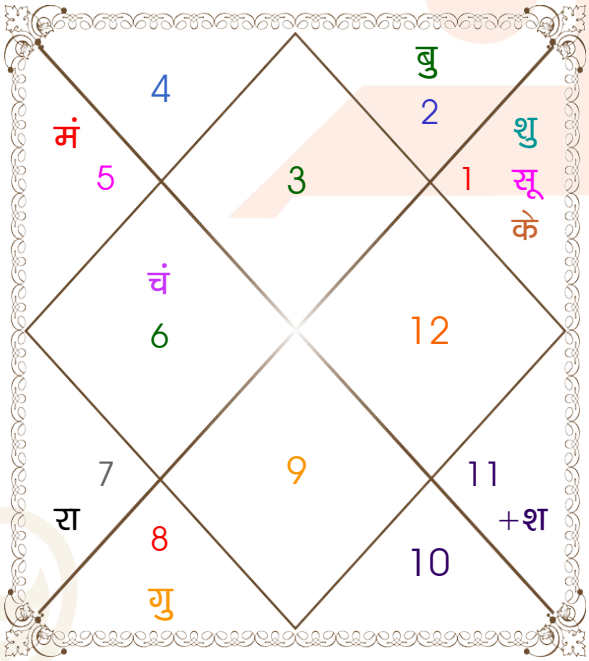

लग्न-चलित

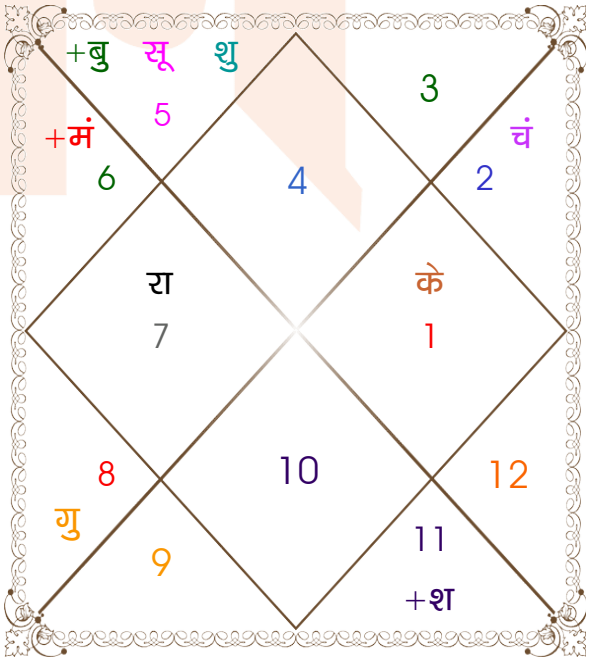

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

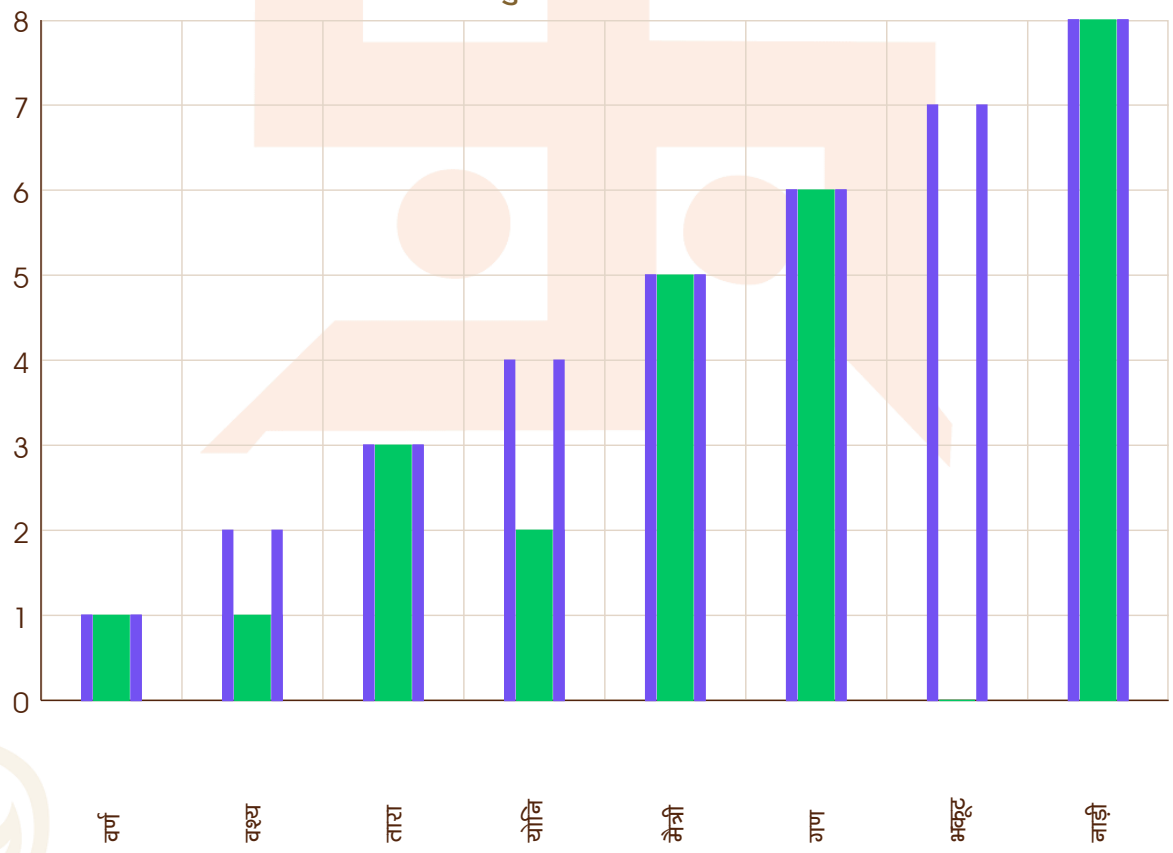

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Prateek का वर्ग श्वान है तथा Ms.Anchal का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Prateek और Ms.Anchal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Prateek मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms.Anchal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Prateek तथा Ms.Anchal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Prateek का वर्ण वैश्य है तथा Ms.Anchal का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Prateek और Ms.Anchal दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Prateek और Ms.Anchal दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Prateek का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Anchal का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Prateek एवं Ms.Anchal दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.Anchal अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Prateek अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Prateek की तारा जन्म तथा Ms.Anchal की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Prateek की योनि महिष है तथा Ms.Anchal की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Prateek एवं Ms.Anchal दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Prateek एवं Ms.Anchal के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Prateek एवं Ms.Anchal जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Prateek का गण देव तथा Ms.Anchal का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.Anchal अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Prateek से Ms.Anchal की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms.Anchal से Prateek की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Prateek की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Prateek की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Anchal की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। Prateek की आद्य नाड़ी तथा Ms.Anchal की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Prateek की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Ms.Anchal की राशि भी पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तत्व की परस्पर नैसर्गिक समता होने के कारण Prateek और Ms.Anchal के स्वाभाविक गुणों में समानता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

Prateek की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा Ms.Anchal की जन्म राशि का स्वामी शुक्र परस्पर मित्र है। अतः Prateek और Ms.Anchal के मध्य मित्रता सहयोग एवं समर्पण का भाव रहेगा। Prateek और Ms.Anchal एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे इससे इनका वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा तथा एक दूसरे को उचित सम्मान प्रदान करेंगे।

Prateek और Ms.Anchal की जन्म राशि परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा Prateek और Ms.Anchal में अहंकार के भाव की उत्पति होगी तथा इस प्रवृति से एक दूसरे की उपेक्षा तथा आलोचना आदि करेंगे जिससे आपसी संबधों में तनाव आदि उत्पन्न होगा परन्तु यदि Prateek और Ms.Anchal सावधानी एवं धैर्य से कार्य करें तो तथा इन प्रवृतियों की उपेक्षा करें तो दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होने की संभावना बन सकती है।

Prateek का वश्य मानव तथा Ms.Anchal का वश्य चतुष्पद है। सामान्यतया मानव एवं चतुष्पद के मध्य असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में विषमता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी अलग अलग रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में कम ही सफलता प्राप्त करेंगे।

Prateek और Ms.Anchal दोनों का वर्ण वैश्य है अतः इनकी कार्य क्षमताएं बराबर होंगी तथा दोनों की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से ये कार्यो को सम्पन्न करेंगे।

धन

Prateek और Ms.Anchal का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Prateek और Ms.Anchal सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Prateek को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Prateek की नाड़ी आद्य तथा Ms.Anchal की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि से Prateek और Ms.Anchal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Prateek और Ms.Anchal को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Prateek और Ms.Anchal के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.Anchal का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.Anchal के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.Anchal सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Prateek और Ms.Anchal को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Prateek और Ms.Anchal का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.Anchal के अपनी सास के साथ संबधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ms.Anchal को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ms.Anchal भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा

करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ms.Anchal को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ms.Anchal उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ms.Anchal के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ms.Anchal के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Prateek के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Prateek के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Prateek के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Prateek भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।